State-Level Workshop on Virtual Labs at The ICFAI University Dehradun - Aug 28, 2019

तकनीक | आइआइटी दिल्ली के सहयोग से इक्फाई विश्वविद्यालय सेलाकुई में वर्चुअल लैब्स पर कार्यशाला

वर्चुअल लैब्स की सहायता से छात्रों ने किए प्रयोग

जागरण संवाददाता, विकासनगर: गुरुवार को आइआइटी दिल्ली के सहयोग से इक्फाई विश्वविद्यालय सेलाकुई में वर्चुअल लैब्स पर राज्य स्तरीय कार्यशाला आयोजित की गई। इक्फाई विश्वविद्यालय ने आइआइटी दिल्ली के साथ मिलकर परिसर में एक वर्चुअल लैब स्थापित करने की योजना बनाई।

कार्यशाला में बतौर मुख्य अतिथि उत्तरांचल तकनीकी विवि के कुलपति डॉ. नरेंद्र एस चौधरी ने कहा कि भौतिक दूरियां और संसाधनों की कमी अक्सर हमें प्रयोग करने में असमर्थ बना देती है। खासकर जब परिष्कृत और महंगे उपकरण शामिल हों, लेकिन वर्चुअल लैब के माध्यम से कौशल और ज्ञान को बढ़ाने के लिए हमको कंप्यूटर और इंटरनेट का उपयोग करना होता है, ताकि वास्तविक जीवन के परिणामों को जानने के लिए वेब आधारित प्रयोगों का संचालन किया जा सके। इक्फाई टेक स्कूल के प्रोफेसर डॉ. अमित दास ने समन्वित उत्तराखंड में वर्चुअल लैब की विशेषता बताई। इक्फाई विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. पवन के अग्रवाल ने कहा इंटरनेट और कंप्यूटर प्रौद्योगिकियों के साथ अपर्याप्त बुनियादी ढांचे व भौतिक दूरियों जैसी सीमाएं शोधकर्ता और छात्रों के लिए अपने कौशल और ज्ञान को बढ़ाने में बाधा नहीं बन सकती हैं। प्रतिभागियों ने सीखा कि कैसे वर्चुअल लैब्स के माध्यम से प्रयोगों का संचालन किया जाता है। इससे उन्हें इन प्रयोगों के वास्तविक जीवन के परिणामों का ज्ञान प्राप्त करने में मदद मिली। कार्यशाला में प्रमुख संस्थानों के 135 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया।

कार्यशाला में विशिष्ट अतिथि डॉ. हरिकृष्ण चेयरमैन विजन डिजिटल इंडिया, डॉ. एम साईनाथ, डॉ. मनीष प्रतीक डीन कंप्यूटर साइंस पेट्रोलियम विश्वविद्यालय, इक्फाई विश्वविद्यालय के प्रो वाइस चांसलर प्रो. डॉ. मुद्दु विनय ने छात्रों के साथ वर्चुअल लैब्स के लाभों पर अपने विचार साझा किए।

सेलाकुई स्थित इक्फाई विवि में कार्यशाला का शुभारंभ करते अतिथि • जागरण

Dainik Jagran, Page 6

29.08.2019

य आयुर्वेदिक
की जाती है।
0 बजे अपरान्ह

दा खोलने
तिथि
समय

क
09.2019
03.00
तक

नी अधिकारी
ाल नरेन्द्रनगर

29.08.2019

वर्चुअल लैब के जरिये ज्ञान व कौशल बढ़ाने पर जोर

देहरादून (एसएनबी)। इक्फाई विश्वविद्यालय में वर्चुअल लैब्स पर राज्यस्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में मुख्य रूप से वर्चुअल लैब्स की उपयोगिता पर चर्चा की गई। बृहस्पतिवार को इक्फाई में कार्यशाला का उद्घाटन बतौर मुख्य अतिथि उत्तराखंड तकनीकी विश्वविद्याय के कुलपति प्रो. एनएस चौधरी ने किया। बतौर मुख्य अतिथि प्रो. चौधरी ने वर्चुअल की लैब की उपयोगिता व प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला। इक्फाई विवि के कुलपति डा. पवन कुमार अग्रवाल ने कहा कि इंटरनेट व प्रौद्योगिकी के युग में बुनियादी सुविधाएं व भौतिक दूरिया छात्रों के मार्ग में बाधा नहीं बन सकती है। डा. अग्रवाल ने वर्चुअल लैब के माध्यम कौशल व ज्ञान को बढ़ाने पर जोर दिया।

	से हो भराव
4	मंगल मका महमू सड़क
5	मौहल भराव
6	वार्ड जावेद सड़क
7	वार्ड आलम कार्य
8	वार्ड मका टाईल कार्य
9	मंगलौ पुलिय
10	वार्ड शमीम

Rashtriya Sahara, Page 7

परसेंट अनएजुकेटेड

हरासमेंट

...या गया सर्वे

...र्विसेज अथॉरिटीज द्वारा गठित टीम ने ...या. दून की मलिन बस्तियों सहित कई ...ए. चौंकाने वाली बात तो यह है कि एक ...दी पाया गया. कई घरों में हर मेंबर नशे ...टेड लोग भी नशे के आदी पाए गए.

नशा मुक्त देवभूमि का संकल्प

डीएलएसए की सेक्रेटरी नेहा कुशवाहा ने बताया कि देवभूमि को नशा मुक्त करने के लिए जल्द ही कैंपेन शुरू की जाएगी. नशाखोरी पर किया गया सर्वे भी इसका ही एक पार्ट था. बताया कि कैंपेन में नशा तस्करों पर फोकस किया जाएगा.

...हा, शपपुर रोड स्थित मयूर कॉलोनी में डी दत्त व योगेश नौटियाल द्वारा ... पैन्यूली, राकेश अमरलाल, सतीश, एसएन भट्ट, ललित शामिल रहे.

...पहाड़ी क्षेत्र में बदला तो जा रहा था.

इक्फाई में वर्चुअल लैब्स पर वर्कशॉप

कई संस्थानों के 135 से ज्यादा पार्टिसिपेंट्स ने लिया भाग

PIC: DAINIK JAGRAN I NEXT

DEHRADUN (29 Aug): आईआईटी, दिल्ली के सहयोग से इक्फाई यूनिवर्सिटी वर्चुअल लैब्स पर राज्य स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया. इक्फाई टेक स्कूल के प्रोफेसर डॉ. अमित दास द्वारा समन्वित उत्तराखंड में वर्चुअल लैब पर यह पहली कार्यशाला है. इक्फाई यूनिवर्सिटी ने आईआईटी दिल्ली के साथ मिलकर अपने परिसर में एक वर्चुअल लैब स्थापित करने की योजना भी बनाई है. वर्चुअल लैब्स एमएचआरडी भारत सरकार की एक पहल है. कार्यशाला में इक्फाई यूनिवर्सिटी समेत जेबीआईटी, डीआईटी यूनिसन यूनिवर्सिटी, निम्बस एकेडमी ऑफ मैनेजमेंट जैसे प्रमुख संस्थानों के 135 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया. चीफ गेस्ट के रूप में प्रो. डॉ. नरेंद्र एस चौधरी, कुलपति, यूटीयू थे. गेस्ट ऑफ ऑनर डॉ. हरि कृष्ण मैराम चेयरमैन, विजन डिजिटल इंडिया के साथ इक्फाई यूनिवर्सिटी के कई प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे. इक्फाई यूनिवर्सिटी के कुलपति डॉ. पवन के अग्रवाल ने चीफ गेस्ट, गेस्ट ऑफ ऑनर एंड पार्टिसिपेंट्स का स्वागत किया. प्रतिभागियों ने सीखा कि कैसे वर्चुअल लैब्स के माध्यम से प्रयोगों का संचालन किया जाता है.

आईआईटी, दिल्ली के सहयोग से इक्फाई यूनिवर्सिटी में वर्चुअल लैब्स पर वर्कशॉप का आयोजन

किडनी रोगी

का रीरीनल से डायलसिस हुआ पूरी तरह बंद

हर किडनी रोगी को आयुर्वेद की मदद लेनी चाहिए–डा. दस्सन

मैं अब्दुल खलीक वीपीओ खेतासराय, राम सांची घाट, बाराबंकी, यु.पी से हूं। किडनी का बहुत इलाज करवाने के बाद भी कोई फर्क नहीं पड़ा पर डा. दस्सन के 3 महीने के इलाज से ही मेरा क्रेटेनाईन 7.95 से 1.72 पर आ गया अब मेरा डायलसिस बंद हो गया है और मैं अब बिलकुल ठीक हूं। जनहित में मेरी प्रार्थना है कि रोगी समय रहते डा. दस्सन आयुर्वेद से इलाज करवाएं। मेरे जैसे ठीक हो रहे अनेकों रोगियों का पते सहित सबसे अधिक डाटा www.drdassans.com और dr.dassans channel (Youtube) पर रिपोर्ट्स व वीडीओ सहित उपलब्ध है। रोगी 07355793557 पर काल या whatsapp कर सकते हैं।

Dassan's

Dainik Jagran I-Next,Page 3

शाह टाइम्स

देह

विद्यार्थियों ने सीखा वर्चुअल लैब के जरिये प्रयोगों का संचालन

शाह टाइम्स संवाददाता

सेलाकुई। आईआईटीए दिल्ली के सहयोग से इक्फाई विश्वविद्यालय द्वारा वर्चुअल लैब्स पर राज्य स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इक्फाई टेक स्कूल के प्रो. डा. अमित दास द्वारा समन्वित उत्तराखंड में वर्चुअल लैब पर यह पहली कार्यशाला है।

इक्फाई विश्वविद्यालय ने आईआईटीए दिल्ली के साथ मिलकर अपने परिसर में एक वर्चुअल लैब स्थापित करने की योजना भी बनाई है। वर्चुअल लैब्स, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार की एक पहल है। कार्यशाला में इक्फाई समेत जेबीआईटीए, डीआईटी, यूनिसन यूनिवर्सिटीए, निम्बस एकेडमी आफ मैनेजमेंट जैसे प्रमुख संस्थानों के 135 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। इक्फाई विश्वविद्यालय के कुलपति डा.. पवन के अग्रवाल ने कहा वर्तमान इंटरनेट और कंप्यूटर प्रौद्योगिकियों के साथ अपर्याप्त बुनियादी ढाँचे और भौतिक दूरियों जैसी सीमाएं शोधकर्ता और छात्रों के लिए अपने कौशल और ज्ञान को बढ़ाने में बाधा नहीं बन सकती हैं। उत्तरांचल तकनीकी विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. डा. नरेंद्र एस चौधरी ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। गेस्ट आफ आनर डा. हरि कृष्ण मैराम चेयरमैनए विजन डिजिटल इंडिया, डा. एम साईनाथ डीन इक्फाई टेक स्कूल, इक्फाई समूह और डा. मनीष प्रतीक डीन कंप्यूटर साइंस पेट्रोलियम विश्वविद्यालय थे। इक्फाई के प्रो. वाइस चांसलर प्रो. डा. मुडडू विनय ने भी छात्रों के साथ वर्चुअल लैब्स के लाभों पर अपने विचार साझा किए। इस दौरान प्रतिभागियों ने सीखा कि कैसे वर्चुअल लैब्स के माध्यम से प्रयोगों का संचालन किया जाता है।

Shah Times, page 7